



बेटे भी घर छोर जाते है

सिमा कुमारी

Sima4u@gmail.com

घर को मिस करते है लेकिन कहते
है बिलकुल ठीक है ...
सौ सौ ख्वाहिश रखने वाले अब कहते
है कुछ नही चाहिए..
पैसे कमाने के जरूरत में वे घर
से अजनबी बन जाते है ...
बना बनाया खाने वाले अब वो
खाना खुद बनाते है ...
माँ बहन बीवी का बनाया अब वो
कहाँ खा पते है ...
कभी थके हारे भूके भी सों जाते है ...
मोहल्ले की गलियां जाने
पहचाने रस्ते जहाँ दैडा
करते थे आपनो के वास्ते ...
माँ बाप यार दोस्त सब पीछे
छुट जाते है तन्हाई में करके
यद् लड़के भी आँसू बहाते है...
नई नवेली दुल्हन, जन से
प्यारे बहन भाई, छोटे छोटे



बच्चे, चाचा चची, ताऊ ताई,
सब छुड़ा देती है ये रोटी और कमाई।
मत पूछो इतना दर्द वो कैसे छुपाते हैं ...
बेटियाँ ही नहीं
बेटे भी घर छोर जाते हैं ...